पर्यावरण के दोहन से प्रकृति बन जाती है शत्रु

सीआईएमपी में आयोजित क्लाइमेटो रिफॉर्मर्स ग्लोबल अवार्ड समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे

■ पटना (एसएनबी)।

पर्यावरण प्रदूषण के कारण सभी प्राणी नष्ट हो जाते हैं। हवाएं दूषित हो जातीं हैं। प्रकृति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने लगती है। प्रदूषण के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इससे बचने के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना जरूरी है। ये बातें केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में आयोजित क्लाइमेटो रिफॉर्मर्स ग्लोबल अवार्ड समारोह के मौके पर कहीं। उन्होंने कहा कि बच्चे पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता से अपनी एवं भावी पीढ़ी को पर्यावरण के संरक्षण तथा प्रदूषण मुक्त होने के लिए सतत एवं सार्थक प्रयास का संदेश दे रहे हैं। पर्यावरण का संरक्षण मानव के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। पर्यावरण के प्रदूषण में तेजी से बढ़ोतरी मानव जीवन को विनाश की ओर ले जा रही है।

■ कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए 5 से 15 वर्षो के बीच 20 प्रतिभावान पर्यावरणविद बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

सीआईएमपी में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल बच्चों के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे।

पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना हर मानव का कर्तव्य है। विश्व के विकसित एवं विकासशील देशों ने यह अनुभव किया है कि प्रकृति को विनाश से बचाने के लिए क्लाईमेट रिफॉर्म आवश्यक है। इसीलिए बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए 5 से 15 वर्षो के बीच 20 प्रतिभावान पर्यावरणविद बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पर्यावरण एवं जलवायु मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू (बिहार सरकार) ने कहा कि क्लाइमेंट चेंज पूरी दुनिया का विषय हो गया है। क्लाइमेंट चेंज के दुष्प्रभाव से बचने के लिए हर व्यक्ति को जागरुक और सजग होना होगा। हम अनावश्यक एयर कंडिशन के इस्तेमाल को रोक कर एवं अपनी जीवन शैली में बदलाव लाकर भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के लोग बाघों की संख्या बढ़ाने के प्रति चिंचित हैं। कल ही संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना में चार शावकों को आम जनता के अवाले किया गया है। उन्होंने हर व्यक्ति से अपने-अपने जन्मदिन और सालगिरह के मौके पर पौधे लगाने का आग्रह किया। पिछले साल लगभग पांच करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया था। इस साल तीन करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। पुरस्कृत बच्चों को बधाई दी एवं पर्यावरण से होने वाले नुकसान के बारे में कहा।

साथ ही क्लाइमेटो रिफॉरमर्स के संस्थापक प्रवीर कुमार, प्रीति सिंह, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निर्देशक प्रो. राणा सिंह, कुमुद कुमार मुख्य प्रशानिक अधिकारी एवं एसोचौम के सेंट्रल रीजन के निर्देशक सुब्रत रथ, पर्यावरणविद प्रकाश कुमार आदि ने पुरस्कृत छात्रों को पर्यावरण से जुड़े उनके सामाजिक कार्यो के लिए प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी। वहीं, क्लाइमेटो रिफर्म्स के संस्थापक प्रवीर कुमार ने कहा कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा और हमारे सोशल मीडिया हैंडल्स के 4.30 करोड़ व्यूअर्स इसका हिस्सा बनेंगे।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05 ! Dated:31-07-2022

प्रदूषण से नष्ट हो रहे हैं प्राणी : चौबे

क्लाइमेटो रिफॉरमर्स ग्लोबल अवाइर्स समारोह का आयोजन

संवाददाता ▷ पटना

वन के बिना जीवन नहीं हो सकता, वन है तो जीवन है. उक्त बातें शनिवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के सभागार में आयोजित क्लाइमेटो रिफॉरमर्स ग्लोबल अवाइर्स समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय वन और पर्यावरण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहीं. पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभावों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इसके कारण प्राणी नष्ट हो रहे हैं. हवाएं दूषित हो रही है व प्रकृति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने लगी है. प्रदूषण के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इससे बचने के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना जरूरी है. प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान हमारे राज्य या देश का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है.

20 बच्चों को किया गया पुरस्कृत : कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान के लिए 5 से 15 वर्षों के 20 प्रतिभावान बच्चों को नीरज कुमार सिंह व अश्विनी चौबे ने पुरस्कृत किया. इस मौके पर वत्सल वर्मा, अपराजिता राज, मायरा ध्रुवा, श्रेया चटर्जी, प्रियांसी सहाय, आरव, पूर्वी सिंह, अक्षरा, सूरज कुमार, नवीन सिंह, उत्कर्ष राज, विनायक सिंह, शुभद अनुभव, वरुष्का सिंह, अमायरा मेहता, दर्शिता भारद्वाज, शगुन सिंह, एंजेल श्रीवास्तव, अदिति कश्यप, कृतिका ओम ठाकुर को पुरस्कृत किया गया.

Prabhat Khabar ! Page.NO-04 ! Dated:31-07-2022

प्रकृति संरक्षण के लिए काम करने वाले बच्चे बने पर्यावरण के राजदूत

जिन बच्चों के दिलों में प्रकृति से प्रेम उन्हें मिला क्लाइमेटो रिफॉरमर्स अवॉर्ड

सिटी रिपोर्टर | पटना

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि वन है तो जीवन है। वन की सुरक्षा सबको मिलकर करनी होगी। इसमें बच्चों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। वे शनिवार को पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए यह बात कही। स्थानीय चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में आयोजित क्लाइमेटो रिफॉरमर्स अवॉर्ड कार्यक्रम में उन्होंने 20 बच्चों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंच से पर्यावरण संरक्षण का बिगुल फूंका है। उन्होंने कहा कि प्रकृति को छेड़ेंगे तो प्रकृति आपको छोड़ेगी नहीं। आज पर्यावरण का संरक्षण मानव के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। पर्यावरण के प्रदूषण में तेजी से बढ़ोतरी मानव जीवन को विनाश की ओर ले जा रही है। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना हर मानव का कर्तव्य है।

विनाश से बचने के लिए पेड़ लगाने की जरूरत

विश्व के विकसित एवं विकासशील देशों ने यह अनुभव किया है कि प्रकृति को विनाश से बचाने के लिए क्लाईमेट रिफॉर्म आवश्यक है। इसीलिए बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की आवश्यकता है। राज्य के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि हम एसी रूम में बैठकर पर्यावरण संरक्षण की बात करते हैं। जरूरत के हिसाब से एसी का इस्तेमाल करें और साथ में प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा जरूर लगाए। पर्यावरणविद श्रीप्रकाश ने विश्व में जलवायु परिवर्तन से हो रहे नुकसान को दर्शाया। क्लाइमेटो रिफॉरमर्स के संस्थापक प्रवीर कुमार, प्रीति सिंह, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह, कुमुद कुमार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं एसोचैम के सेंट्रल रीजन के निदेशक सुब्रत रथ, प्रकाश कुमार आदि ने पुरस्कृत छात्रों को प्रोत्साहित किया।

सम्मानित बच्चे

वत्सल वर्मा, अर्पिता राज, मायरा धूर्वा, श्रेया चटर्जी, पूर्वी सिंह, अक्षरा, सूरज कुमार, नेवान सिंह, उत्कर्ष राज, विनायक सिंह, शुभद अनुभव, वरुक्शा सिंह, अमायरा मेहता, दर्शिता भारद्वाज, शगुन सिंह, एंजेल श्रीवास्तव, अदिति कश्यप और कृतिका ओम ठाकुर।

Dainik Bhaskar ! Page.No-09 ! Dated:31-07-2022

पर्यावरण प्रदूषण के कारण प्रकृति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करती है : अश्विनी

पटना (आससे)। पर्यावरण प्रदूषण के कारण सभी प्राणी नष्ट हो जाते हैं। हवाएं दूषित हो जातीं हैं तथा प्रकृति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने लगतीं हैं। प्रदूषण के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इससे बचने के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना जरूरी है। ये बातें केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने क्लाइमेटो रिफॉरमर्स ग्लोबल अवार्ड्स के मौके पर कही। इस कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए 5 से 15 वर्षों के बीच के 20 प्रतिभावान पर्यावरणविद बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि ये बच्चे पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता से अपनी एवं भावी पीढ़ी को पर्यावरण के संरक्षण तथा प्रदूषण मुक्त होने के लिए सतत एवं सार्थक प्रयास का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण का संरक्षण मानव के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। पर्यावरण के प्रदूषण में तेजी से बढ़ोतरी मानव जीवन को विनाश की ओर ले

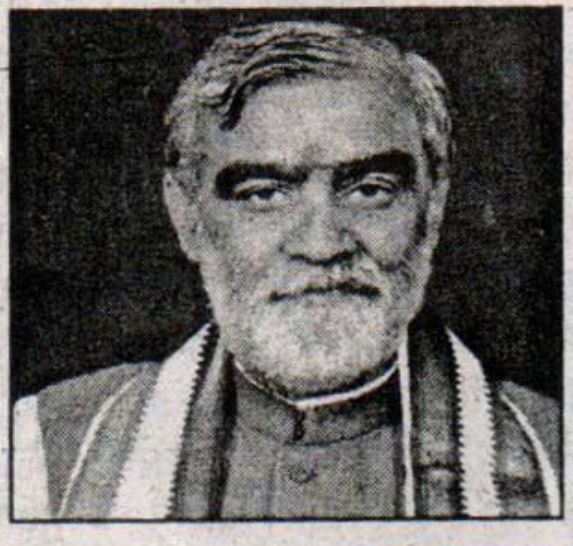

जा रही है। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना हर मानव का कर्तव्य है। विश्व के विकसित एवं विकासशील देशों ने यह अनुभव किया है कि प्रकृति को विनाश से बचाने के लिए क्लाईमेट रिफॉर्म आवश्यक है। इसीलिए बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की आवश्यकता है। वहीं, क्लाइमेटो रिफॉर्म्स के संस्थापक प्रवीर कुमार ने कहा कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा और हमारे सोशल मीडिया हैंडल्स के 4.30 करोड़ व्यूअर्स इसका हिस्सा बनेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पर्यावरण एवं जलवायु मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू (बिहार सरकार) ने पुरस्कृत बच्चों को बधाई दी एवं पर्यावरण से होने वाले नुकसान के बारे में कहा। साथ ही क्लाइमेटो रिफॉरमर्स के संस्थापक प्रवीर कुमार, प्रीति सिंह, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निर्देशक प्रो. डॉ. राणा सिंह, कुमुद कुमार मुख्य प्रशानिक अधिकारी एवं एसोचैम के सेंट्रल रीजन के निर्देशक सुब्रत रथ, पर्यावरणविद प्रकाश कुमार आदि ने पुरस्कृत छात्रों को

पर्यावरण से जुड़े उनके सामाजिक कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी।

AAJ ! Page.No-11! Dated:31-07-2022

प्रकृति को छेड़ेंगे तो आप भी नहीं बचेंगे : चौबे

जागरूकता

■ क्लाइमेटो रिफॉरमर्स अवार्ड्स में बच्चों को किया गया सम्मानित

■ मंत्री नीरज बबलू ने पर्यावरण नुकसान के बारे में बताया

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद मंत्री नीरज कुमार बबलू व अन्य। • हिन्दुस्तान

पटना, मुख्य संवाददाता। एक वृक्ष सौ पुत्रों के बराबर होता है। हम पुत्र की रक्षा जैसे करते हैं, वैसे ही वृक्षों का पोषण करना चाहिये। हम अगर प्रकृति को छेड़ेंगे तो प्रकृति हमें नहीं छोड़ेगी।

ये बातें केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने शनिवार को सीआईएमपी सभागार में कही। वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता फैला रहे पांच से 15 साल के बच्चों को सम्मानित करने के मौके पर बोल रहे थे। शनिवार को क्लाइमेटो रिफॉरमर्स, चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना और एसोचैम की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। केंद्रीय मंत्री श्री चौबे ने इस मौके पर सम्मानित 20 छात्रों को पर्यावरण दूत घोषित किया गया। विशेष रूप से दुबई से सम्मान ग्रहण करने पहुंचे छात्र वत्सल और छात्रा पूर्वी को मंच पर बुलाकर माइक देकर पर्यावरण से जुड़े संदेश प्रसारित करने को कहा। उन्होंने 2013 में एक प्राकृतिक आपदा में उत्तराखंड में अपनों को खोने और चार दिन भूखे प्यासे रहकर किसी तरह सपरिवार बचकर निकलने का संस्मरण भी सुनाया। क्लाइमेटो रिफॉरमर्स के संस्थापक प्रवीर कुमार ने कहा कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि बिहार सरकार में पर्यावरण मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने पुरस्कृत बच्चों को बधाई दी एवं पर्यावरण से होने वाले नुकसान के बारे में कहा। प्रवीर कुमार, प्रीति सिंह, सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार एवं एसोचैम के सेंट्रल रीजन के निदेशक सुब्रत रथ, प्रकाश कुमार ने पुरस्कृत छात्रों को पर्यावरण से जुड़े उनके सामाजिक कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-04 ! Dated:31-07-2022